साप्ताहिक
निष्पक्ष...निर्भीक...निरंतर...
विश्वास का तीर
सपांदक- आयुष राजपूत
RNI.NO- MPHIN/2022/83636
वर्ष-03 | अंक-36 | भोपाल, प्रति शुक्रवार 16 अगस्त 2024 | मूल्य-10 रूपयें | पृष्ठ-08

मुख्यमंत्री ने उत्कृष्ट सेवाओं के लिये पुलिसकर्मियों को किया सम्मानित

विश्वास का तीर

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 78वें स्वतंत्रता दिवस पर भोपाल के लाल परेड मैदान पर आयोजित राज्य स्तरीय परेड में उल्लेखनीय सेवाओं के लिये पुलिस अधिकारी और कर्मचारियों को पदक प्रदान कर सम्मानित किया है।

वीरता के लिये पुलिस पदक

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पुलिस अधीक्षक राजगढ़ श्री आदित्य मिश्रा, निरीक्षक पीटीएस तिघरा श्री अंशुमान सिंह चौहान, निरीक्षक हॉक फोर्स बालाघाट श्री रामपदम शर्मा, उप निरीक्षक हॉक फोर्स बालाघाट श्री आशीष शर्मा, उप निरीक्षक हॉक फोर्स बालाघाट श्री अतुल कुमार शुक्ला, उप निरीक्षक हॉक फोर्स बालाघाट श्री मनोज कुमार कापसे और प्रधान आरक्षक हॉक फोर्स बालाघाट श्री रमेश विश्वकर्मा को वीरता के लिये पुलिस पदक प्रदान किया है।

विशिष्ट सेवा के लिये राष्ट्रपति पुलिस पदक

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने श्री आशुतोष रॉय अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक अग्निशमन सेवा भोपाल, श्री ए. साईं मनोहर ओएसडी मध्यप्रदेश भवन नई दिल्ली, श्री योगेश चौधरी अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक लोकायुक्त भोपाल, श्री मोहम्मद शाहिद अबसार अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक ई.ओ.डब्ल्यू. भोपाल, श्री मनीष कपूरिया पुलिस महानिरीक्षक कानून और व्यवस्था इंदौर (सेवानिवृत्त), श्री भारत भूषण राय उप सेनानी 7वीं वाहिनी विसबल भोपाल (सेवानिवृत्त), श्री शारदा प्रसाद चौधरी मानसेवी उप पुलिस अधीक्षक विशेष शाखा जबलपुर और श्री अशोक कुमार रघुवंशी कार्यवाहक निरीक्षक पीटीसी, इंदौर को विशिष्ट सेवा के लिये राष्ट्रपति का पुलिस पदक प्रदान किया गया है।

नागरिक सुरक्षा विशिष्ट सेवा के लिये राष्ट्रपति पदक

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नगर सेना तथा नागरिक सुरक्षा विशिष्ट सेवा के लिये श्री भूपेन्द्र सिंह ठाकुर कार्यवाहक डिस्ट्रिक्ट कमाण्डेन्ट होमगार्ड छतरपुर को राष्ट्रपति पदक प्रदान किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लाल परेड मैदान में हुए स्वतंत्रता दिवस समारोह में सराहनीय सेवा के लिये पुलिस पदक भी प्रदान किये। जिन पुलिसकर्मियों को यह पदक प्राप्त हुए उनमें श्री अभय सिंह पुलिस महानिरीक्षक देहात जोन-अतिरिक्त प्रभार पुलिस महानिरीक्षक विसबल भोपाल रेंज भोपाल, श्री सुशांत कुमार सक्सेना

पुलिस महानिरीक्षक चम्बल जोन मुरैना, डॉ आशीष पुलिस महानिरीक्षक इंटेलीजेंस पुलिस मुख्यालय भोपाल, श्री मनोज कुमार श्रीवास्तव अतिरिक्त पुलिस आयुक्त क्राइम मुख्यालय इंदौर, श्री सत्येन्द्र कुमार शुक्ला उप पुलिस महानिरीक्षक प्रशासन पुलिस मुख्यालय भोपाल, श्री प्रशांत खरे उप पुलिस महानिरीक्षक नर्मदापुरम, श्री अतुल सिंह उप पुलिस महानिरीक्षक खरगौन रेंज, श्री पंकज कुमार पाण्डेय पुलिस उपायुक्त जोन-3 (शहर) जिला इंदौर, श्री सुरेन्द्र कुमार जैन पुलिस अधीक्षक पीटीएस रीवा, श्री मलय जैन सहायक पुलिस महानिरीक्षक प्रशिक्षण पुलिस मुख्यालय भोपाल, श्रीमती मनीषा पाठक सोनी अतिरिक्त. पुलिस अधीक्षक रेल इंदौर, श्रीमती सुमन गुर्जर पुलिस अधीक्षक पीटीएस, तिघरा ग्वालियर, श्री दिनेश कुमार कौशल पुलिस अधीक्षक पीटीएस सागर, श्री प्रणय कुमार नागवंशी पुलिस अधीक्षक एटीएस मुख्यालय भोपाल, श्री रामेश्वर सिंह यादव पुलिस अधीक्षक लोकायुक्त ग्वालियर, श्री संदेश कुमार जैन स्टॉफ ऑफिसर टू डीजीपी पुलिस मुख्यालय भोपाल, श्री वेदान्त शर्मा सहायक सेनानी आरएपीटीसी इंदौर और श्री अजय कैथवास उप पुलिस अधीक्षक ई.ओ.डब्ल्यू, उज्जैन शामिल हैं। इसी तरह सराहनीय सेवा के लिये जिन पुलिसकर्मियों को पुलिस पदक प्राप्त हुए हैं, उनमें श्री सुनील कुमार तालान उप पुलिस अधीक्षक लोकायुक्त उज्जैन, श्री तिलकराज प्रधान कार्यवाहक उप पुलिस अधीक्षक मध्यप्रदेश पुलिस अकादमी भौंरी भोपाल, श्री सुनील कुमार राय कार्यवाहक निरीक्षक (एम) विशेष शाखा पुलिस मुख्यालय भोपाल, श्री सैयद अशफाक अली कार्यवाहक निरीक्षक प्रेस पुलिस मुख्यालय भोपाल, श्री राम कुमार मोरन्दानी कार्यवाहक सूबेदार (एम) ई.ओ.डब्लयू भोपाल, श्री डी.पी. सक्सेना कार्यवाहक सूबेदार (अ), कार्यालय उमनि, (ग्रामीण) भोपाल, श्री विष्णु प्रसाद व्यास, कार्यवाहक सूबेदार (अ) जिला शाजापुर, श्री रेवाधर पंत सूबेदार (अ) 23वीं वाहिनी विसबल भोपाल, श्री भंवरलाल जायसवाल उप निरीक्षक (रेडियो) पी.आर.टी.एस. इंदौर, श्री सी.डी. डैनियल, कार्यवाहक सहायक उप निरीक्षक (चालक) एम.टी. पूल भोपाल (सेवानिवृत्त), श्री केशव राव इंगले कार्यवाहक सहायक उप निरीक्षक छिन्दवाड़ा, श्री नन्दकिशोर कोसरकर कार्यवाहक सउनि डीपीओ बालाघाट, श्री अशोक सिंह भदौरिया प्रधान आरक्षक पुलिस लाईन ग्वालियर, श्री राम रतन नन्देड़ा प्रधान आरक्षक 731 32वीं वाहिनी विसबल उज्जैन, श्री अमरनाथ यादव प्रधान आरक्षक आरएपीटीसी इंदौर, श्री रामचन्द्र सिंह प्रधान आरक्षक 580 7वीं वाहिनी विसबल भोपाल, श्री मोहनलाल सिंह तिवारी कार्यवाहक प्रधान आरक्षक 307 आरएपीटीसी इंदौर और श्री रमेश जोशी कार्यवाहक प्रधान आरक्षक 374, 10वीं वाहिनी विसबल सागर शामिल हैं।

जेल विभाग में सराहनीय सेवा के लिये पदक

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 78वें स्वतंत्रता दिवस पर जेल विभाग के कर्मियों को भी सराहनीय सेवा के लिये पदक प्रदान किये है। जिन कर्मियों को पदक प्रदान किये हैं, उनमें श्री राकेश कुमार भांगरे जेल अधीक्षक केन्द्रीय जेल भोपाल, श्री महेश शर्मा सहायक जेल अधीक्षक सब जेल डबरा ग्वालियर, श्री अनिल कुमार पाठक सहायक जेल अधीक्षक सब जेल लवकुशनगर, श्री शोभल सिंह ठाकुर शिक्षक जिला जेल देवास, श्रीमती गीता रायकवार शिक्षक केन्द्रीय जेल सागर श्री सूरज सिंह रांणा प्रमुख मुख्य प्रहरी केन्द्रीय जेल भोपाल, श्री करुणेन्द्र सिंह परिहार कार्यवाहक प्रमुख मुख्य प्रहरी सब जेल रहली, श्री चंद्रभान सिंह नामदेव मुख्य प्रहरी सब जेल करैरा और श्री जगदीश पाटीदार प्रहरी जिला जेल खरगौन शामिल हैं।

नगर सेना तथा नागरिक सुरक्षा सराहनीय सेवा के लिये पदक

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्वतंत्रता दिवस समारोह में नगर सेना तथानागरिक सुरक्षा सराहनीय सेवा के लिये पदक प्रदान किये। जिन कर्मियों को यह पदक प्रदान किये गये हैं, उनमें श्रीमती मधु राजेश तिवारी डिस्ट्रिक्ट कमाण्डेन्ट होमगार्ड देवास, श्री पंजाबराव बारस्कर सहायक उप निरीक्षक (एम) होमगार्ड बैतूल, श्री राकेश कुमार श्रीवास्तव हवलदार आरमोरर होमगार्ड जबलपुर (सेवानिवृत्त), श्री राम शंकर तिवारी वाहन चालक एसडीईआरएफ जबलपुर, श्री मुकेश चौरसिया डिवीजनल वार्डन सिविल डिफेन्स जबलपुर, श्री श्याम लाल यादव स्वयंसेवी नायक क्रं. 246, होमगार्ड नर्मदापुरम, श्री शोभाराम सोलंकी स्वयंसेवी सैनिक क्रं. 314, होमगार्ड इंदौर और श्रीमती मधु बाला बिलवाल स्वयंसेवी महिला सैनिक क्रं. 550, होमगार्ड इंदौर शामिल है।

पुलिस बैंड की टुकड़ी रही आकर्षण का केन्द्र

प्रदेश में 78वें स्वतंत्रता दिवस पर आयोजित परेड में पुलिस बैंड की टुकड़ी आकर्षण का केन्द्र रही। प्रदेश के 53 जिला मुख्यालयों में हुई परेड में पहली बार पुलिस बैंड की टुकड़ी शामिल हुई। पुलिस बैंड के प्रदर्शन ने अपनी सुरम?य धूनों से नागरिकों का दिल जीत लिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्वतंत्रता दिवस पर जिला मुख्यालय पर हुई परेड में पुलिस बैंड की टुकड़ी को भी शामिल करने के निर्देश दिये थे।

भोपाल में ज्वेलरी शॉप में 30 लाख की चोरी

7 बदमाशों ने 5 ताले काटे, शटर तोड़ा; पुलिस की नाकाबंदी तोड़कर भाग गए

विश्वास का तीर

भोपाल में हथियारबंद बदमाशों ने ज्वेलरी शॉप से 30 लाख के गहने चुरा लिए। बदमाशों ने पहले चैनल गेट के 5 ताले काटे, फिर शटर तोड़कर अंदर घुसे। घटना के सीसीटीवी फुटेज भी सामने आए हैं। पुलिस के मुताबिक अयोध्या नगर के डी सेक्टर में स्थित जैन ज्वेलरी शॉप में 6 से ज्यादा बदमाश घुसे थे। पुलिस ने फोरेंसिक टीम के साथ स्पॉट की जांच की। इलाके में नाकेबंदी भी की तो पिपलानी में पुलिस को चकमा देकर आरोपी भाग गए। बता दें, 2 दिन पहले बाग सेवनिया थाना क्षेत्र में कट्टा अड़ाकर ज्वेलरी शॉप में लूट हुई थी।

रात ढाई बजे पता चला ताले टूट गए

ज्वेलरी शॉप के संचालक विकास जैन ने बताया कि गुरुवार रात 10 बजे दुकान बंद की थी। देर रात करीब ढाई बजे स्थानीय लोगों ने शटर टूटे होने की जानकारी दी। इसके बाद उसने मौके पर पहुंचकर पुलिस को सूचना दी। दुकान में लगे सीसीटीवी चेक किए। फुटेज में करीब 7 लोग शटर तोड़ते दिखाई दिए। शटर खुलने के बाद 6 बदमाश अंदर गए, जबकि एक बदमाश बाहर खड़ी गाड़ी में बैठा था। उन्होंने दुकान की तलाशी ली। इसके बाद काउंटर खंगालने लगे। किसी ने शर्ट-बनियान के अंदर तो किसी ने थैले में कैश और गहने भरे। जिसके हाथ जो आया, वो भरता गया।

स्कॉर्पियो में दिखे संदेही, भाग गए

अयोध्या नगर थाना प्रभारी महेश लिल्हारे ने बताया कि बदमाशों को पकड़ने के लिए नाकेबंदी कराई गई थी। चेकिंग के दौरान पिपलानी इलाके में स्कॉर्पियो में सवार संदेही मिले। उन्हें रोकने की कोशिश की, तो अंधेरे का फायदा उठाकर भाग निकले। उनकी तलाश की जा रही है।

पुलिस को पेशेवर अपराधियों पर वारदात का शक

पुलिस का कहना है, ज्वेलर्स ने सुरक्षा के लिहाज से पुख्ता इंतजाम किए थे। पहले चैनल गेट और उसके अंदर शटर लगा रखा था। चैनल गेट में पांच ताले लगे थे। शटर में भी दो हैवी लॉक थे। इसके बाद भी बदमाशों ने चैनल गेट के ताले काटे और फिर शटर के निचले हिस्से को उखाड़ दिया। वारदात में बाहरी और पेशेवर गिरोह के शामिल होने का शक है। सीसीटीवी फुटेज से मिले सुराग के आधार पर जांच की जा रही है।

भोपाल में कार की टक्कर से बाइक सवार की मौत

ओवरटेक करते समय रौंदती हुई निकली; साथी को आई मामूली चोटें

विश्वास का तीर

भोपाल की खटलापुरा सड़क पर एक कार ने गुरुवार की रात को ओवरटेक करते समय बाइक सवार दो युवकों को टक्कर मार दी। हादसे में घायल एक युवक की इलाज के दौरान हमीदिया अस्पताल में मौत हो गई। दूसरे को प्रारंभिक इलाज के बाद अस्पताल से छुट्टी दे गई है। मामले में जहांगीराबाद पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

दोस्त से मिलने गया था परवेज

पुलिस के मुताबिक परवेज कुरैशी (24) जनता नगर करोंद का रहने वाला था। नई मंडी में फ्रूट का करोबार करता था। उसके चाचा मुन्ना कुरैशी खटलापुरा में रहते हैं। उनसे मुलाकात के लिए परवेज दोस्त हुजैफा के साथ उनके घर गया था। मुलाकात के बाद रात करीब दस बजे घर जाने के लिए निकला। चाचा के घर के करीब ही सड़क हादसे में उसकी मौत हो गई।

हादसे के बाद भी नहीं रूका वाहन चालक

मृतक के चाचा मुन्ना कुरैशी ने बताया कि हुजैफा को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। रास्ते में किसी अज्ञात कार ने ओवरटेक करते समय टक्कर मार दी। कार तेज रफ्तार में थी। टक्कर के बाद आरोपी चालक वाहन को बिना रोके ही मौके से फरार हो गया। राहगीरों ने अस्पताल पहुंचाया था। परवेज के सिर में गंभीर चोट थी। इधर, पुलिस का कहना है कि मामले में मर्ग कायम कर जांच की जा रही है। घटना स्थल के आस पास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज चेक किए जा रहे हैं।

मसूद पर 65 लाख से अधिक का लोन छिपाने का आरोप

हाईकोर्ट से कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद को बड़ा झटका

विश्वास का तीर

मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने भोपाल मध्य से कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद की याचिका को यह कहते हुए निरस्त कर दिया कि ध्रुव नारायण की चुनाव याचिका सही है। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद के विरूद्ध चुनाव याचिका विचाराधीन रहेगी। हाईकोर्ट जस्टिस विवेक अग्रवाल की एकलपीठ चुनाव याचिका की अगली सुनवाई 24 अगस्त को होगी। दरअसल, विधानसभा चुनाव-2023 में भोपाल से भाजपा के टिकट पर पराजित प्रत्याशी ध्रुवनारायण सिंह द्वारा हाईकोर्ट में कांग्रेस विधायक के खिलाफ चुनाव याचिका दायर की गई है।

निर्वाचन शून्य करने की अपील

याचिका में भाजपा प्रत्याशी ने आरोप लगाया है कि आरिफ मसूद ने कांग्रेस प्रत्याशी बतौर भरे गए नामांकन-पत्र में महत्वपूर्ण जानकारी छिपाई थी। प्रस्तुत शपथ-पत्र में खुद के नाम से लिए गए 34 लाख 10 हजार और पत्नी रूबीना मसूद के नाम पर लिए गए 31 लाख 28 हजार को मिलाकर करीब 65 लाख 38 हजार रुपए के लोन की जानकारी चुनाव आयोग को नहीं दी गई।

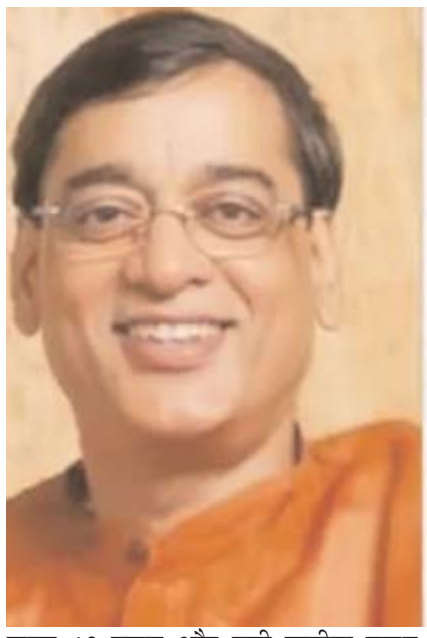

कांग्रेस प्रत्याशी ने भी दायर की थी याचिका

याचिकाकर्ता बीजेपी प्रत्याशी ने विधायक मसूद की विधायकी समाप्त कर नए सिरे से विधानसभा चुनाव कराए जाने की मांग की है। इसी चुनाव याचिका को निरस्त किए जाने की मांग के साथ विधायक मसूद ने हाई कोर्ट में एक और याचिका दायर की थी। उनका तर्क था कि चुनाव याचिका नियम विरुद्ध तरीके से दायर की गई थी।

सपोर्टिंग डाक्यूमेंट सही मिले

याचिकाकर्ता के वकील गौरव तिवारी ने दलील दी कि चुनाव याचिका हाई कोर्ट रजिस्ट्रार से स्वीकृत होकर बेंच तक पहुंची है। चुनावी याचिका की ड्राफ्टिंग सहित तमाम सपोर्टिंग डाक्यूमेंट की पहले ही जांच की जा चुकी है। इसके साथ ही ऐसे पहले भी सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के हवाले से कोर्ट ने यह माना कि इस याचिका में कोड आफ सिविल प्रोसीजर की धारा का बिलकुल भी उल्लंघन नहीं हुआ। इसलिए याचिका को निरस्त नहीं किया जा सकता।

आरिफ मसूद की याचिका निरस्त

हाईकोर्ट ने दोनों पक्षों के वकीलों की दलील और कोर्ट में पेश किए गए सबूतों को देखने के बाद कांग्रेस विधायक की उस याचिका को निरस्त कर दिया, जिसमें उन्होंने चुनावी याचिका को आधारहीन बताया था। साथ ही चुनाव याचिका निरस्त करने की मांग की थी।

मप्र में संगठन चुनाव की कवायद शुरू: दिल्ली में होगी सदस्यता अभियान को लेकर बैठक, प्रदेश भाजपा को मिल सकता है नया अध्यक्ष

विश्वास का तीर

आम चुनावों के बाद अब बीजेपी के संगठन चुनाव की कवायद शुरू हो रही है। कल 17 अगस्त को दिल्ली में बीजेपी की अहम बैठक होगी। बैठक में मप्र बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा और प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा शामिल होंगे। इस बैठक के बाद सदस्यता अभियान का औपचारिक ऐलान किया जा सकता है। सदस्यता अभियान के लिए मप्र में नए सदस्य बनाने का लक्ष्य भी इसी बैठक में तय होगा। पार्टी में नए लोगों को सदस्यता दिलाने के बाद सक्रिय सदस्यता कराई जाएगी। इसके बाद बूथ समिति, शक्ति केंद्र और मंडल स्तर के चुनाव होंगे। फिर जिला और प्रदेश स्तर पर संगठन का चुनाव होगा।

वीडी शर्मा की जगह नए प्रदेश अध्यक्ष की होना है नियुक्ति

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा का कार्यकाल बढ़ाया गया था। वीडी शर्मा को पहली बार 15 फरवरी को मप्र भाजपा का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। जेपी नड्डा का कार्यकाल बढ़ाए जाने के बाद उन्हें भी एक्सटेंशन दिया गया था। अब वीडी की जगह नए नेता की नियुक्ति की जाएगी।

आधा दर्जन नेता अध्यक्ष बनने की कतार में

बीजेपी के नए प्रदेश अध्यक्ष बनने के लिए बीजेपी के करीब आधा दर्जन नेता कतार में लगे हैं। इनमें पूर्व मंत्री भूपेंद्र सिंह, डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ल, पूर्व गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा, पूर्व मंत्री अरविंद भदौरिया प्रयासरत हैं। पहले आदिवासी वर्ग का प्रदेश अध्यक्ष बनाने की चर्चाएं थीं। लेकिन पहली बार केंद्र सरकार में दो आदिवासी सांसदों को मंत्री बनाए जाने के बाद यह संभावना कम ही है।

आलेख

तानाशाह नहीं हैं प्रधानमंत्री मोदी! आलोचकों की परवाह न कर अपनी राह चलते हैं

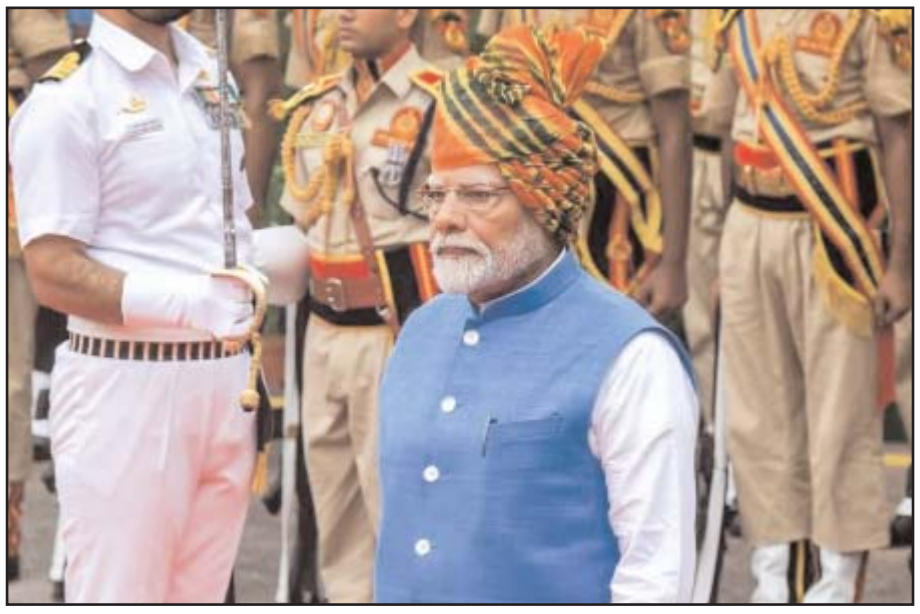

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी में कुछ तो खास है कि वे अपने विरोधियों के निशाने पर ही रहते हैं। इसका खास कारण है कि वे अपनी विचारधारा को लेकर स्पष्ट हैं और लीपापोती, समझौते की राजनीति उन्हें नहीं आती। राष्ट्रहित में वे किसी के साथ भी चल सकते हैं, समन्वय बना सकते हैं, किंतु विचारधारा से समझौता उन्हें स्वीकार नहीं है। उनकी वैचारिकी भारतबोध, हिंदुत्व के समावेशी विचारों और भारत को सबसे शक्तिशाली राष्ट्र बनाने की अवधारणा से प्रेरित है। यह गजब है कि पार्टी के भीतर अपने आलोचकों पर भी उन्होंने कभी अनुशासन की गाज नहीं गिरने दी,यह अलग बात है कि उनके आलोचक राजनेता ऊबकर पार्टी छोड़ चले जाएं। उन्हें विरोधियों को नजरंदाज करने और आलोचनाओं पर ध्यान न देने में महारत हासिल है। इसके उलट पार्टी से नाराज होकर गए अनेक लोगों को दल में वापस लाकर उन्हें सम्मान देने के अनेक उदाहरणों से मोदी चकित भी करते हैं। किसी व्यक्ति की लोकतांत्रिकता उसकी अपने दल के साथियों से किए जा रहे व्यवहार से आंकी जाती है। मोदी यहां चौंकाते हुए नजर आते हैं। वे दल के सर्वोच्च नेता हैं किंतु उनका व्यवहार 'आलाकमान' सरीखा नहीं है। आप उन्हें तानाशाह भले कहें, किंतु तटस्थ विश्लेषण से पता चलता है कि 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद आजतक उनकी आलोचना करने वाले अपने किसी साथी के विरूद्ध उन्होंने कोई अनुशासनात्मक कार्रवाई नहीं होने दी। कल्पना करें कि किसी अन्य दल में अपने आलाकमान या सर्वोच्च नेता की आलोचना करने वाला व्यक्ति कितनी देर तक अपनी पार्टी में रह सकता है। नरेंद्र मोदी यहां भी रिकार्ड बनाते हैं। जबकि भाजपा में अनुशासन को लेकर कड़ी कारवाईयां होती रही हैं। भाजपा और जनसंघ के दिग्गज नेताओं में शामिल रहे बलराज मधोक से लेकर कल्याण सिंह, उमा भारती, बाबूलाल मरांडी, बीएस येदुरप्पा जैसे दिग्गजों पर कार्रवाइयां हुई हैं, तो गोविंदाचार्य पर भी एक कथित बयान को लेकर गाज गिरी। उन्हें अध्ययन अवकाश पर भेजा गया, जहां से आजतक उनकी वापसी नहीं हो सकी है। मोदी का ट्रैक अलग है। वे आलोचनाओं से घबराते नहीं और पार्टी में आंतरिक लोकतंत्र की छूट देते हुए अपने आलोचकों को भरपूर अवसर देते हैं। यह कहा जा सकता है कि मोदी आलोचनाओं के केंद्र में रहे हैं, इसलिए इसकी बहुत परवाह नहीं करते हैं। वे कहते भी रहे हैं कि उनके निंदक जो पत्थर उनकी ओर फेंकते हैं, उससे वे अपने लिए सीढ़ियां तैयार कर लेते हैं। 2014 में उनके प्रधानमंत्री बनने के बाद पार्टी के भीतर भी उनके आलोचकों और निंदकों की पूरी फौज सामने आती है, जो तमाम मुद्दों पर उन्हें घेरती रही है। आश्चर्यजनक रूप से मोदी उनके विरूद्ध पार्टी के अनुशासन तोड़ने जैसी कार्यवाही भी नहीं होने देते हैं। इसमें पहला नाम गाँधी परिवार से आने वाले वरुण गांधी का है, जिन्हें भाजपा ने सत्ता में आने के बाद संगठन में महासचिव का पद दिया। वे सांसद भी चुने गए। किंतु पार्टी संगठन में उनकी निष्क्रियता से महासचिव का पद चला गया और वे मोदी के मुखर आलोचक हो गए। अपने बयानों और लेखों से मोदी को घेरते रहे। बावजूद इसके न सिर्फ उनको 2019 में भी लोकसभा का टिकट मिला, बल्कि आज भी वे पार्टी के सदस्य हैं। खुलेआम आलोचनाओं और अखबारों में लेखन के बाद भी उन्हें आज तक एक नोटिस तक पार्टी ने नहीं दिया है। हां, इस बार वे टिकट से जरूर वंचित हो गए। उनकी जगह कांग्रेस से आए जितिन प्रसाद को पीलीभीत से लोकसभा का टिकट मिल गया। जतिन जीत भी गए। दूसरा उदाहरण फिल्म अभिनेता और अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में मंत्री रहे शत्रुघ्न सिन्हा का है। सिन्हा मोदी के मुखर आलोचक रहे और समय-समय पर सरकार पर टिप्पणी करते रहे। अंततः वे भाजपा छोड़कर पहले कांग्रेस, फिर तृणमूल कांग्रेस में चले गए। अब वे आसनसोल से तृणमूल के सांसद हैं। यही कहानी पूर्व केंद्रीय मंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता यशवंत सिन्हा की है। उन्होंने भी मोदी विरोधी सुर अलापे और अंततः पार्टी छोड़कर चले गए। उनके पार्टी छोड़ने के बाद भी उनके बेटे जयंत सिन्हा को 2019 में भाजपा ने लोकसभा

की टिकट दी। जयंत सिन्हा मोदी सरकार में मंत्री भी रहे। इस बार जयंत का टिकट कट गया। ऐसे ही उदाहरणों में क्रिकेटर कीर्ति आजाद भी हैं। मोदी सरकार के विरूद्ध उनके बयान चर्चा में रहे, संप्रति वे तृणमूल कांग्रेस के साथ हैं। लेखक और दिग्गज पत्रकार अरुण शौरी, अटल जी की सरकार में मंत्री रहे। उनका बौद्धिक कद बहुत बड़ा है। एक इंटरव्यू में अरुण शौरी ने कहा कि 卐नरेंद्र मोदी के बारे में उनके अधिकारी ही मुझे कहते हैं कि उनके सामने बोल नहीं सकते। मंत्री डरे हुए रहते हैं। कोई कुछ बोल नहीं पाता है उनके सामने। उनके सामने जाने और कुछ भी कहने से पहले लोग डरे रहते हैं और सोच समझकर बोलते हैं। हालांकि अटल जी की पर्सनालिटी ऐसी थी कि लोग उनसे अपनी बात कहना चाहते थे और वह सुनते भी थे। उनकी एक खास बात यह भी थी कि वह भी यह जानना चाहते थे कि लोग उनके बारे में क्या सोचते हैं। वह पूछा करते थे और लोग बिना किसी डर के बताते भी थे।卐 तीखी आलोचनाओं के बाद भी मोदी का उनके प्रति सौजन्य कम नहीं हुआ और वे शौरी की बीमारी में उन्हें देखने अस्पताल जा पहुंचे और उनके परिजनों से भी मुलाकात की। अरुण शौरी और पीएम मोदी के रिश्तों में उस समय सबसे ज्यादा खटास देखी गई, जब अरुण शौरी यशवंत सिन्हा के साथ राफेल मामले को सुप्रीम कोर्ट लेकर पहुंच गए। यहां पर उन्होंने मामले की जांच और सौदे पर सवाल उठाए थे । हालांकि सुप्रीम कोर्ट में सरकार को क्लीन चिट मिल गई। रिश्तों में आई खटास के बावजूद भी पीएम मोदी ने पुणे स्थित अस्पताल में अरूण शौरी से मुलाकात की। इस मुलाकात के फोटो शेयर करते हुए लिखा- 卐आज पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण शौरी जी से मुलाकात की और उनका हालचाल जाना। उनके साथ इस दौरान बहुत अच्छी बातचीत हुई। हम उनकी दीर्घायु और स्वस्थ्य जीवन की कामना करते हैं।卐 अपने तीखे तेवरों के चर्चित सुब्रमण्यम स्वामी कभी जनसंघ- भाजपा से जुड़े रहे। बाद में वे भाजपा से अलग होकर जनता पार्टी के अध्यक्ष बने। केंद्र में मंत्री भी बने। 2014 में सत्ता में आने के बाद मोदी ने स्वामी को राज्यसभा के लिए भेजा। स्वामी इससे कुछ अधिक चाहते थे। जाहिर है इन दिनों वे मोदी के प्रखर आलोचक बने हुए हैं।

मालदीव-भारत के बेहतर होते रिश्तों के सबब

संपादकीय

चीन की कटपुतली बने मालदीव को आखिर भारत की कीमत समझ में आ गयी। चीन एवं पाकिस्तान की कुचालों एवं षडयंत्रों से भारत के पडोसी देशों की हालात जर्जर होती जा रही है, जिसका ताजा उदाहरण बांग्लादेश है। लेकिन एक पडोसी देश के रूप में पिछले करीब एक साल की अवधि में मालदीव ने भी गहरे हिचकोले खाने एवं कई कड़वे अनुभवों से गुजरने के बाद अब पटरी पर आ गया है। विदेश मंत्री एस जयशंकर की पिछले सप्ताह हुई मालदीव यात्रा के दौरान वहां के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू का जैसा दोस्ताना रवैया देखने को मिला, जिस तरह से उन्होंने भारत के साथ आगे बढ़ने की मंशा जाहिर की, यह उन्हें अपनी गलती का अहसास कराने का ही द्योतक कहा जा सकता है। देर आये दुरस्त आये वाली कहावत को चरितार्थ करते हुए भारत-मालदीव के रिश्तों को भावनात्मक राजनीति के तकाजों पर कूटनीति की ठोस हकीकतों की जीत के रूप में देखा जा सकता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने पूर्व कार्यकाल में पडोसी देशों की यात्रा करते हुए उनसे भारत के संबंधों को सौहार्दपूर्ण एवं विकासमूलक बनाने के प्रयास किये। इसी के तहत मोदी की तत्कालीन मालदीव दौरे का मुख्य उद्देश्य नेबरहुड फर्स्ट पॉलिसी के तहत सुरक्षा, विकास की दृष्टि के भारत के संबंधों को और मजबूत करना था। दौरे के दौरान मोदी को मालदीव के सर्वोच्च सम्मान 'निशान इजुद्दीन' से भी सम्मानित किया गया। दरअसल मालदीव की दक्षिण एशिया और हिन्द महासागर में जो स्ट्रेटजिक (सामरिक) लोकेशन है, वह भारत के लिए बेहद अहम है। मालदीव में पिछले कुछ सालों में चीन ने अपना प्रभुत्व बढ़ाया है, उसे हिंद महासागर क्षेत्र में सामरिक और रणनीतिक सहयोग बढ़ाने पर उल्लेखनीय सफलता भी मिली। लेकिन यह सब करने के पीछे चीन का मुख्य लक्ष्य मालदीव की भारत से दूरी बढ़ाना भी रहा, जिसमें उसे बड़ी सफलता मिली। इस प्रकरण की शुरुआत पिछले साल हुए राष्ट्रपति चुनाव में एक प्रत्याशी के तौर पर मुइज्जू ने भारत विरोधी भावनाओं पर दांव लगाया था। वह बार-बार सार्वजनिक तौर पर यह संकल्प करते देखे गए कि सत्ता में पहुंचते ही भारतीय सैनिकों को मालदीव से विदा कर देंगे। हालांकि सबको पता था कि भारतीय सैनिकों की वहां मौजूदगी सांकेतिक ही थी। भारत और मालदीव के बीच सदियों पुराने प्रेम एवं सौहार्द के रिश्ते एकाएक तल्ख होते दिखाई देने लगा। मालदीव की तरफ से लगातार तनाव बढ़ाने वाले बयान आते रहे, लेकिन भारत की तरफ से फिर भी संतुलित नीति अपनाई जाती रही है। इसी दौरान मोदी की लक्षद्वीप यात्रा की, जिसका उद्देश्य कत्तई किसी भी देश के पर्यटन को नुकसान पहुंचाना नहीं था, बल्कि अपने देश में पर्यटन की नई संभावनाओं को तलाशना है।

एमपी की 2 सीटों पर चुनाव, नहीं हो सका ऐलान...

शिवराज की बुदनी से 6 से ज्यादा दावेदार, विजयपुर से तो रामनिवास ही लड़ेंगे

विश्वास का तीर

चुनाव आयोग ने शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर, हरियाणा और महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों की तारीख की घोषणा कर दी। हालांकि मध्य प्रदेश के विजयपुर और बुदनी विधानसभा क्षेत्रों में उप चुनाव का ऐलान की भी संभावना थी, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। प्रदेश में 2023 में हुए विधानसभा चुनाव के बाद अब तक तीन विधानसभा क्षेत्र के विधायक इस्तीफा दे चुके हैं। इसमें दो कांग्रेस और एक भाजपा के हैं। छिंदवाड़ा की अमरवाड़ा सीट कांग्रेस विधायक कमलेश शाह के इस्तीफा देने के चलते रिक्त हुई थी। कमलेश शाह बाद में भाजपा में शामिल हो गए। उप चुनाव उन्होंने भाजपा उम्मीदवार के रूप में लड़ा और जीत दर्ज की। इसी तरह कांग्रेस के दूसरे विधायक विजयपुर से रामनिवास रावत भी भाजपा में शामिल हो गए। मंत्री बनने के बाद उन्होंने भी विधायकी छोड़ दी। तीसरे विधायक भाजपा के शिवराज सिंह चौहान रहे। उन्होंने लोकसभा चुनाव लड़ा और केंद्र में मंत्री बनने के बाद बुदनी विधानसभा क्षेत्र से इस्तीफा दे दिया था।

शिवराज के इस्तीफे से खाली हुई बुदनी सीट

सीहोर जिले की बुदनी विधानसभा सीट शिवराज सिंह चौहान के इस्तीफे के कारण खाली हुई है। शिवराज सिंह ने विदिशा से लोकसभा सांसद चुने जाने के बाद विधानसभा सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। 17 जून को उनके इस्तीफा देने के बाद विधानसभा सचिवालय ने इस सीट को रिक्त घोषित किया था।

रामनिवास के भाजपा में आने से खाली हुई विजयपुर सीट

श्योपुर जिले की विजयपुर विधानसभा सीट से छह बार के कांग्रेस विधायक रामनिवास रावत ने अप्रैल महीने के अंत में लोकसभा चुनाव के दौरान बीजेपी जॉइन कर ली थी। 8 जुलाई को उन्होंने कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ ली और दो दिन बाद विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। अब इस सीट पर उप चुनाव होने जा रहा है।

बुदनी में 6 से ज्यादा दावेदार

बुदनी विधानसभा सीट से केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के बेटे कार्तिकेय सिंह चौहान के अलावा बीजेपी से करीब आधा दर्जन नेता दावेदार हैं। इनमें पूर्व सांसद रमाकांत भार्गव, पूर्व विधायक राजेंद्र सिंह राजपूत, रवीश सिंह चौहान, रघुनाथ सिंह भाटी सहित कई स्थानीय नेता टिकट के लिए प्रयासरत हैं।

विजयपुर में बीजेपी से रामनिवास तय

विजयपुर विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव में बीजेपी की ओर से रामनिवास रावत का उम्मीदवार घोषित होना तय है। रामनिवास को मंत्री बनने के बाद छह महीने के अंदर विधायक निर्वाचित होना जरूरी है। ऐसे में वे बीजेपी के टिकट पर उपचुनाव लड़ेंगे।

कांग्रेस से अभी नाम फाइनल नहीं

कांग्रेस के खेमे में फिलहाल ज्यादा हलचल नहीं हैं। बताया जा रहा है कि प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी दोनों ही विधानसभा क्षेत्रों पर होम वर्क कर चुके हैं।

वक्फ बोर्ड जमीन को लेकर सांसद दिग्विजय सिंह को नोटिस

विश्वास का तीर

पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह को भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा उपाध्यक्ष नासिर शाह ने मानहानि का लीगल नोटिस भेजा है। नोटिस में तीन दिन अंदर अखबारों में खेद प्रकाशित करवाने और 10 करोड़ रुपए मानहानि के एवज में देने के लिए कहा है। ऐसा नहीं करने पर कोर्ट केस की बात कही है। दिग्विजय सिंह ने वक्फ बोर्ड की जमीन पर कब्जा करने के आरोपों की जांच के लिए केन्द्रीय अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री और केन्द्रीय वक्फ परिषद के अध्यक्ष किरेन रिजिजू को लेटर लिखा है। लसूड़िया थाने में 10 अगस्त को कमेटी सचिव ने आवेदन दिया है। पूरे मामले को दिग्विजय सिंह ने फेसबुक आईडी पर भी पोस्ट किया। जांच से पहले इस तरह नाम सार्वजनिक कर मानहानि की बात नासिर शाह की तरफ से लीगल नोटिस में कही गई है। जानिए क्या है पूरा मामला।

मंत्री किरेन रिजिजू को भेजे लेटर में सिंह ने ये लिखा

पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह ने किरन रिजिजू को 12 अगस्त को लेटर लिखा है, जिसमें कहा है कि साजिद रोयल सचिव जिला वक्फ कमेटी इंदौर का शिकायती पत्र संलग्न है। उन्होंने इंदौर बाइपास स्थित कोकिला बेन हॉस्पिटल और एडवांस एकेडमी से लगी मध्यप्रदेश वक्फ बोर्ड

की 100 करोड़ रुपए की बेशकीमती जमीन पर नासिर शाह और अन्य के द्वारा बाउंडरी वॉल बना कर कब्जा करने की शिकायत की है। जमीन का केस उच्च न्यायालय में चल रहा है। कोर्ट ने स्टे देते हुए स्थिति यथावत रखने के आदेश दिए हैं। स्टे के बावजूद नासिर शाह और अन्य द्वारा अतिक्रमण किया जा रहा है, जिससे क्षेत्र में सामाजिक तनाव की स्थिति पैदा हो रही है। मामले में निर्माण रोकने और कोर्ट की अवहेलना करने पर इनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की गई है। मामले में बीजेपी के अल्पसंख्यक मोर्चे के एक पदाधिकारी द्वारा भी हस्तक्षेप कर दबाव बनाया जा रहा है। एक तरफ केंद्र सरकार वक्फ प्रॉपर्टी प्रबंधन को लेकर संसद में बिल ला रही है, वहीं उनके समर्थक कब्जा करने वालों को संरक्षण दे रहे हैं। शिकायत की वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी से जांच करवाई जाए।

नासिर शाह की तरफ से दिग्विजय सिंह को जारी नोटिस में ये लिखा

भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा उपाध्यक्ष नासिर शाह ने 14 अगस्त को दिग्विजय सिंह को लीगल नोटिस भेजा है। एडवोकेट राहुल पेठे के माध्यम से नोटिस भेजा है, जिसमें कहा है कि सूचना पत्र द्वारा आपको सूचित किया जाता है कि आपके द्वारा अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री और केन्द्रीय वक्फ परिषद के अध्यक्ष किरेन रिजिजू और मप्र शासन के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को प्रेषित पत्र में नासिर शाह का नाम जिस प्रकार से उल्लेखित किया गया है और साजिद रोयल द्वारा प्रस्तुत शिकायती आवेदन पत्र की जांच पूरी होने के पहले सार्वजनिक रूप से अपने फेसबुक हैंडल पर लेटर को पोस्ट किया है। नासिर शाह और अन्य मुस्लिम नेताओं पर टिप्पणी की गई है। इसके लिए आप सार्वजनिक रूप से सूचना पत्र प्राप्ति के 3 दिन के अंदर प्रमुख समाचार पत्रों में खेद प्रकाशित करवाने के साथ-साथ नासिर शाह को उनकी सामाजिक और राजनीतिक ख्याति की मानहानि की क्षतिपूर्ति के रूप में 10 करोड़ रुपए अदा करें। वरना आपके खिलाफ कोर्ट में मानहानि का केस करेंगे। जिसके खर्च और परिणाम के लिए आप जिम्मेदार होंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने डिंडोरी में रक्षाबंधन व श्रावण उत्सव में महिला स्व-सहायता समूह द्वारा तैयार किए गए उत्पादों का अवलोकन किया।

बीजेपी विधायक बोले-सदन में 'लुच्चे' बैठे हैं

पन्ना लाल शाक्य ने कहा- सुरक्षा के बारे नहीं सोचा तो बांग्लादेश जैसा भारत में भी होगा

विश्वास का तीर

आज जो बांग्लादेश में हुआ है। कोई कह नहीं सकता कि मध्यप्रदेश या हिंदुस्तान में नहीं होगा, बिल्कुल होगा। हमें सुरक्षा के बारे में सोचना पड़ेगा। हमारी देशभक्ति, केवल पड़ोसी से जमीन की लड़ाई की है। उसकी एक इंच जमीन पर कब्जा करने के लिए सुप्रीम कोर्ट तक लड़ते हैं। सदन में लुच्चे बैठे हैं। इनकी सदस्यता खत्म की जानी चाहिए।' यह बात गुना से बीजेपी विधायक पन्ना लाल शाक्य ने कही। वे बुधवार को नगरपालिका सभागार में विभीषिका दिवस के कार्यक्रम में पहुंचे थे। बयान का वीडियो शुक्रवार को सामने आया है। इस दौरान विभाजन के दौरान पंजाब-सिंध प्रांत से आकर गुना में बसे नागरिकों को सम्मानित किया गया। शाक्य इससे पहले भी कई विवादित बयान दे चुके हैं। पिछले साल सिंधिया समर्थकों पर इशारा करते हुए कहा था कि, पार्टी संगठन बिकाऊ नहीं, टिकाऊ को तरजीह दे। इसी तरह सात साल पहले विराट-अनुष्का की शादी पर उन्होंने कहा था कि दोनों को भारत में शादी करने की जगह नहीं मिली। पैसा-नाम यहां से कमा रहे हैं, पैसा वहां उड़ा रहे हैं।

शाक्य बोले- सुरक्षा के बारे में ध्यान रखना जरूरी

विधायक शाक्य ने कहा, 'कृष्ण रथ पर बैठे रहे। बिना हथियार के उन्होंने राक्षसों को मरवा दिया। सब दुश्मनों को मरवा दिया। ये विचार अगर हम रख सकते हैं, तो फिर अच्छी व्यवस्था हो जाएगी। आज की जो परिस्थिति है, उसका ध्यान रखना जरूरी है। उन्होंने कहा कि 'रामायण में कुछ पात्र थे- सोमाली,

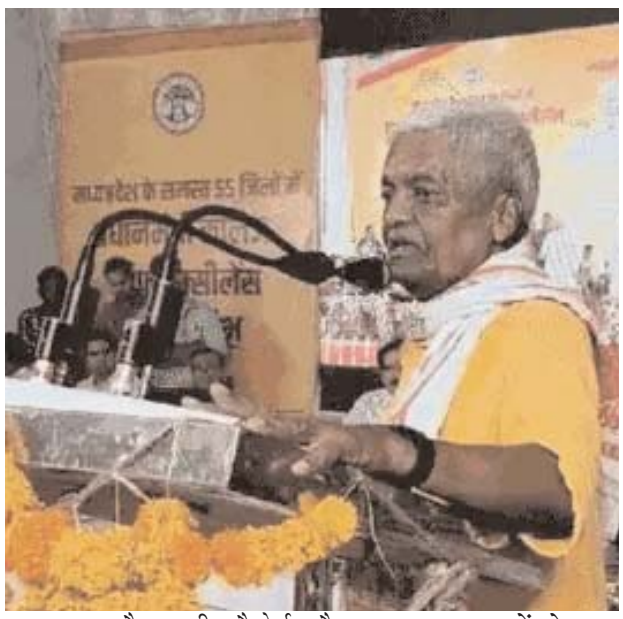

माल्यबल और बाली। कैकेई और दशरथ का दानवों से युद्ध हुआ। बाली मारा गया। माल्यबल ने सरेंडर कर दिया। सोमाली भाग गया। वह अफ्रीका के साथ लगे देश सोमालिया में बस गया। आज उसकी संतति (वंशज, संतान) समुद्री लुटेरे के रूप में तब्दील हो गई है। जब वो भाग कर गया तो कैकेई ने कहा कि सोमाली तुम अगर भाग गए हो, तो बचोगे नहीं। मैं ऐसी संतान पैदा करूंगी कि इस भू-मंडल से समूचे राक्षसों का नाश हो जाए।'

'जिसने मरना नहीं सीखा, वो देश की सुरक्षा नहीं कर सकता'

बीजेपी विधायक ने आगे कहा, 'आप भी विचार करो। ऐसे लोगों का पालन-पोषण नहीं करना, जो फूंक मारने से हिल जाएं। हम चाहते हैं कि हमारा बेटा डॉक्टर बन जाए, इंजीनियर बन जाए, कलेक्टर बन जाए। कोई नहीं चाहता कि बेटा भगत सिंह बने, चंद्रशेखर आजाद बने। ऐसे में देश की सुरक्षा कैसे होगी। जिसने मरना नहीं सीखा, वो देश की सुरक्षा नहीं कर सकता। व्यक्तिगत प्रॉपर्टी बढ़ा लेगा वो। ये जितने भी आए हैं न (विभाजन के दौरान पाकिस्तान और सिंध से आए लोगों की तरफ इशारा करते हुए) ऐसे ही भागेंगे। फैक्ट्री वाले, बैंक बैलेंस वाले। हमें सुरक्षा का भाव पैदा करना होगा। यह आ गया, तो देश में न उपद्रव होगा और न देश टूटेगा।'

'सदन में लुच्चे लोग बैठे हैं, इनकी सदस्यता खत्म करो'

पन्ना लाल शाक्य ने कहा, 'अभी संसद चल रही थी न, दो सदस्यों ने खराब बात कही। वो खराब बात राजा के सामने हिम्मत नहीं होती, लेकिन उनकी हिम्मत हो गई। तो ये टेस्ट कर लो, समझ लो कि क्या चल रहा है। क्या होने वाला है। नरेंद्र मोदी के आभारी हैं, जिन्होंने स्मृति दिवस मनाने के लिए प्रेरित किया। मोबाइल से उन्हें वॉट्सऐप तो भेज दो कि आपके ये सदन में कैसे लोग बैठे हैं लुच्चे। इनकी सदस्यता खत्म करो आज ही। भेजा क्या किसी ने, बताओ। हम अपने आप को कहेंगे कि बड़े देशभक्त हैं। काहे के देशभक्त हो, हमें चिंता ही नहीं है।

मप्र के 3 हजार से ज्यादा डॉक्टर हड़ताल पर

भोपाल-इंदौर समेत कई जिलों में प्रदर्शन, रैलियां निकालीं; ओपीडी बंद

विश्वास का तीर

कोलकाता में 8 अगस्त को ट्रेनी डॉक्टर से रेप के बाद हत्या के विरोध में देशभर में डॉक्टर्स का प्रदर्शन जारी है। भोपाल में एम्स के बाद हमीदिया अस्पताल के 250 से ज्यादा जूनियर डॉक्टर्स ने भी गुरुवार रात 12 बजे से काम बंद कर दिया है। इंदौर में भी जूनियर डॉक्टर्स आज इमरजेंसी केस ही देखेंगे। जबलपुर, छिंदवाड़ा, ग्वालियर, रतलाम में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के सदस्य डॉक्टर हड़ताल के समर्थन में बांह पर काली पट्टी बांधकर विरोध जता रहे हैं। हड़ताल की वजह से ज्यादातर सरकारी अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवाओं की हालत बिगड़ने लगी है। इलाज के लिए मरीजों की लाइनें लग रही हैं। पैथोलॉजी टेस्ट नहीं हो पा रहे हैं। परिजन भी परेशान हो रहे हैं। इधर, डॉक्टरों की हड़ताल का मामला जबलपुर हाईकोर्ट पहुंच गया। जनहित याचिका में डॉक्टरों की हड़ताल को गलत बताया गया है। कोर्ट आज ही याचिका पर सुनवाई करेगा।

मेडिकल इंटर्न को ड्यूटी पर लेने की तैयारी

भोपाल में हड़ताल से निपटने गांधी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) की डीन डॉ. कविता एन सिंह ने सभी डॉक्टर्स की छुट्टियां निरस्त कर दी हैं। 24 घंटे ड्यूटी पर रहने के आदेश भी जारी किए हैं। साथ ही मेडिकल टीचर्स को इमरजेंसी, ओपीडी, ऑपरेशन थिएटर, वार्ड में तैनात करने के निर्देश सभी डिपार्टमेंट के प्रमुखों को दिए गए हैं। जरूरत पड़ने पर मेडिकल इंटर्न को भी तैनात करने के लिए कहा गया है। सभी डिपार्टमेंट के प्रोफेसर्स से इस पर अमल की रिपोर्ट भी मांगी है।

डॉक्टरों की हड़ताल का मामला हाईकोर्ट पहुंचा

मध्यप्रदेश में डॉक्टरों की हड़ताल का मामला जबलपुर हाईकोर्ट पहुंच गया है। आवश्यक सेवाएं ठप कर हड़ताल पर जाने के मामले को लेकर जनहित याचिका लगाई है। इसमें आज ही सुनवाई होगी। नरसिंहपुर के याचिकाकर्ता अंशुल तिवारी ने कहा है कि मध्यप्रदेश से कोलकाता की घटना का कोई लेना-देना नहीं है फिर भी डॉक्टर हड़ताल पर चले गए हैं।

रायसेन में काली पट्टी बांधकर सांकेतिक हड़ताल

रायसेन जिला अस्पताल में भी करीब 35 डॉक्टर दोपहर 12 बजे से 1 बजे तक काली पट्टी बांध कर सांकेतिक हड़ताल पर रहे। ओपीडी बंद करने के बाद सभी डॉक्टरों ने अस्पताल परिसर में नारेबाजी करते हुए विरोध जताया। जिससे स्वास्थ्य सेवाएं लड़खड़ा गईं। मरीज परेशान होते नजर आए। डॉक्टर आलोक राय ने कहा कि सेंट्रल प्रोटेक्शन एक्ट लागू कर सुरक्षा की गारंटी दी जानी चाहिए।

रीवा में डॉक्टरों के नहीं मिलने से मरीज परेशान

रीवा के संजय गांधी मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में भी डॉक्टरों की हड़ताल से हालात बिगड़ रहे हैं। यहां मरीजों को इलाज नहीं मिल रहा है। दवाई कैसे और कब खाना है, ये बताने वाला भी कोई नहीं है।

कलेक्टर बोले- स्वास्थ्य सेवाएं ठप नहीं होने दी जाएंगी

इंदौर के अस्पतालों में भी डॉक्टर हड़ताल पर हैं। यहां ओपीडी में आने वाले मरीजों को इलाज नहीं मिल रहा है। हालांकि, कलेक्टर आशीष सिंह ने कहा कि हड़ताल की वजह से स्वास्थ्य सेवाएं ठप नहीं होने दी जाएंगी। वैकल्पिक व्यवस्था की जा रही है।

मंदसौर में भी डॉक्टरों ने काली पट्टी बांधकर विरोध दर्ज कराया

मंदसौर में भी पश्चिम बंगाल में हुई घटना के विरोध में डॉक्टरों ने सुबह से दोपहर तक का कामकाज बंद रखा। इसके साथ ही काली पट्टी बांधकर विरोध दर्ज करवाया। एसोसिएशन ऑफ हेल्थ केयर प्रोवाइडर्स ऑफ इंडिया (एमपी चैप्टर) के अध्यक्ष डॉ अनूप हजेला का कहना है कि नेशनल डॉक्टर्स प्रोटेक्ट एक्ट बनाए जाने की मांग की जा रही है। इस एक्ट का ड्राफ्ट बन चुका है, जो केंद्रीय गृह मंत्रालय में लंबित है। अभी कुछ राज्यों में अलग-अलग डॉक्टर्स प्रोटेक्शन कानून बने हुए हैं, जिन्हें संबंधित राज्य सरकारों ने लागू किया है। मध्यप्रदेश में डॉक्टर्स प्रोटेक्शन एक्ट लागू है।

सागर में भी हड़ताल पर जूनियर डॉक्टर्स

सागर मेडिकल कॉलेज में भी जूनियर डॉक्टर्स ओपीडी बंद कर हड़ताल पर बैठे हैं। हालांकि इमरजेंसी सेवाओं पर इसका असर नहीं दिख रहा है।

हमीदिया कैंपस में महिला अत्याचारों के खिलाफ जूनियर डॉक्टर का प्ले

हमीदिया अस्पताल में हड़ताल के बीच जूनियर डॉक्टरों ने प्ले के जरिए महिला अत्याचारों के खिलाफ मैसेज दिया। एक लेडी डॉक्टर ने कवि पुष्यमित्र उपाध्याय की कविता अब गोविंद न आएंगे सुनाकर एक्ट किया।

एम्स में डॉक्टर्स केबिन के बाहर मरीजों की लाइनें

भोपाल के एम्स अस्पताल में जूनियर डॉक्टर्स की हड़ताल के चलते ओपीडी में सीनियर कंसलटेंट मरीजों को देख रहे हैं। उनके केबिन के बाहर मरीजों की लंबी कतारें लगी हुई हैं।

महाकाल लिखा, त्रिपुंड वाला शॉर्ट्स श्रद्धालु से उतरवाया

विश्वास का तीर

उज्जैन के महाकाल मंदिर में 12 से ज्यादा श्रद्धालुओं के कपड़े उतरवाए गए। इन श्रद्धालुओं ने निक्कर (चड्डा) पहने थे, जिन पर महाकाल लिखा था और त्रिपुंड भी बने थे। मंदिर के कर्मचारी और सुरक्षाकर्मियों ने शुक्रवार सुबह परिसर में ही ऐसे लोगों को रोका कर्मचारियों ने श्रद्धालुओं को इस तरह के कपड़े पहनकर मंदिर नहीं आने की हिदायत दी है। कार्रवाई को मंदिर के महेश पुजारी ने भी सही बताया है। उन्होंने कहा, ऐसे कपड़े पहनने से धार्मिक भावनाएं आहत होती हैं। मंदिर में ड्रेस कोड लागू होना चाहिए।

कार्रवाई देख छिपने लगे निक्कर पहने भक्त

शुक्रवार सुबह भस्म आरती के दौरान कई भक्त महाकाल लिखी निक्कर पहनकर मंदिर पहुंच गए। यह देख गर्भगृह निरीक्षक उमेश पंड्या और मंदिर समिति की सुरक्षा संभालने वाली केएसएस के सिक्योरिटी इंचार्ज विष्णु चौहान ने कार्रवाई शुरू की। 12 से ज्यादा ऐसे लोगों को पकड़ा, जो निक्कर पहनकर मंदिर में प्रवेश कर रहे थे। मौके पर ही कुछ लोगों के कपड़े उतरवा दिए। इसके बाद भक्तों में अफरा-तफरी मच गई। कुछ लोग इधर-उधर छिपकर मंदिर में प्रवेश करने लगे। हालांकि जिन भक्तों की निक्कर उतरवाई, उन्हें पहनने के लिए कपड़े भी दिए गए। इसके बाद ही मंदिर में प्रवेश दिया गया। मामले में महाकाल मंदिर के प्रशासक गणेश धाकड़ ने कहा, मैं अभी बाहर हूं। किसने यह कार्रवाई की है। आकर ही कुछ कह पाऊंगा। कई बार मंदिर में महाकाल लिखे कपड़े पहनकर प्रवेश की बात सामने आई है। कई बार मंदिर के पुजारी भी इसका विरोध दर्ज करा चुके हैं। हालांकि इस तरह की कार्रवाई मंदिर में पहली बार की गई है। महाकाल मंदिर के पुजारी महेश शर्मा ने बताया, काफी समय से ड्रेस कोड लागू करने की मांग कर रहे हैं।

पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी की छठवीं पुण्यतिथि

मोदी ने श्रद्धांजलि दी; बोले- उन्होंने देश की सेना मजबूत की

विश्वास का तीर

देश के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की आज छठवीं पुण्यतिथि है। अटल बिहारी का निधन 16 अगस्त 2018 को 83 साल की उम्र में हो गया था। उनकी समाधि सदैव अटल पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम हुआ, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, पीएम मोदी कई वरिष्ठ नेता पहुंचे। दिल्ली में स्मृति स्थल पर हुई प्रार्थना सभा में राष्ट्रपति उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के साथ राजनाथ सिंह, जेपी नड्डा, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, मनोहर लाल खट्टर समेत एनडीए एलायंस और भारतीय जनता पार्टी के सदस्य भी पहुंचे। गृह मंत्री अमित शाह ने एक्स पर लिखा- प्रधानमंत्री के तौर पर उन्होंने देश को सामरिक और आर्थिक रूप से मजबूत किया। जब भी देश में राजनीतिक शुचिता, राष्ट्रहित के प्रति निष्ठा और सिद्धांतों के प्रति अडिगता की बात होगी, अटल जी को याद किया जाएगा।

ग्वालियर में हुआ था अटल जी का जन्म

25 दिसंबर 1924 को मध्य प्रदेश के ग्वालियर में अटल जी का जन्म हुआ था। अटल बिहारी वाजपेयी दशकों तक भाजपा का बड़ा चेहरा थे और पहले गैर-कांग्रेसी प्रधानमंत्री थे, जिन्होंने बतौर कार्यकाल पूरा किया। उन्होंने 1977 से 1979 तक प्रधानमंत्री मोराजी देसाई के मंत्रिमंडल में भारत के विदेश मंत्री के रूप में भी काम किया। 16 अगस्त 2018 को दिल्ली के एम्स अस्पताल में उनका निधन हो गया।

तीन बार देश के प्रधानमंत्री रहे अटल बिहारी वाजपेयी

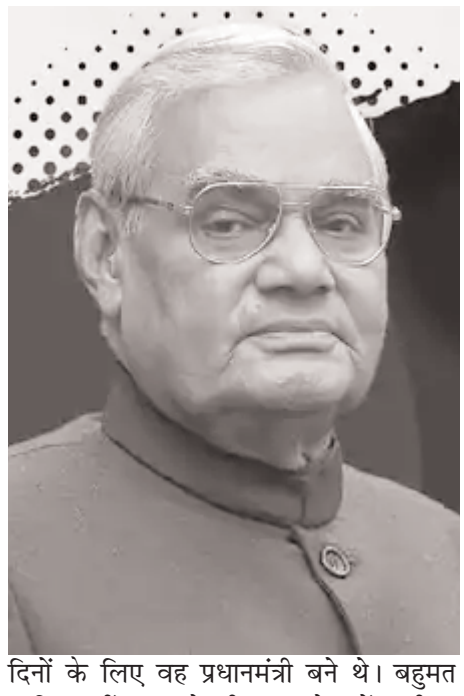

अटल बिहारी वाजपेयी तीन बार भारत के प्रधानमंत्री रहे हैं। सबसे पहले 1996 में 13 दिनों के लिए वह प्रधानमंत्री बने थे। बहुमत साबित नहीं कर पाने की वजह से उन्हें इस्तीफा देना पड़ा था। दूसरी बार वे 1998 में प्रधानमंत्री बने। सहयोगी पार्टियों के समर्थन वापस लेने की वजह से 13 महीने बाद 1999 में फिर आम चुनाव हुए। 13 अक्टूबर 1999 को वे तीसरी बार प्रधानमंत्री बने। इस बार उन्होंने 2004 तक अपना कार्यकाल पूरा किया।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सपांदक आयुष राजपूत द्वारा कविता आर्फसेट प्रिंटर्स, एमपी नगर जोन -1 भोपाल (म. प्र.) से मुद्रित एवं 1209 पुष्पा नगर चांदबड़, भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- आपयुष राजपूत, मो.7247257823, 7999252366 (प्रति शुक्रवार को प्रकाशित) समाचारों से संपादक का सहमत होना जरूरी नहीं। (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।) RNI.NO MPHIN/2022/83636